Q/301/21

M.A. I SEMESTER (Main/ATKT) EXAMINATION, DECEMBER-2021

हिन्दी साहित्य

PAPER - I

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उनका इतिहास

Time : Three hours **Maximum Marks : 40**
Minimum Marks : 14

Note : सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक खण्ड में निर्धारित अंक दर्शाए गए हैं।

खण्ड 'अ'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1x5 = 05

Q.1 सही उत्तर चुनिए –

(i) 'पद्मावत में जायसी ने गुरु किसे कहा है?

(a) राजा रत्नसेन को (b) हीरामन तोता को
(c) पद्मावती को (d) नागमती को

(ii) कबीर का साहित्य मिलता है–

(a) काव्य के रुप में (b) ग्रंथ के रुप में
(c) बीजक के रुप में (d) मुक्तक के रुप में

(iii) 'मैथिली कोकिल' के नाम से जाना जाता है–

(a) विद्यापति को (b) कबीर को
(c) जायसी को (d) इनमें से कोई नहीं

(iv) हिन्दी में सूफी काव्य परम्परा के कवि नहीं हैं –

(a) जायसी (b) कुतुबन
(c) मंझन (d) विद्यापति

(v) निम्न में से किस कवि ने खड़ी बोली में मुकरियों की रचना की?

(a) चन्दबरदाई (b) अमीर खुसरों
(c) रैदास (d) नामदेव

खण्ड 'ब'

लघु उत्तरीय प्रश्न

2x5 = 10

Q.2 निम्न पद्यांश में से किसी एक का भावार्थ लिखिए–

'कबीर तेज अनंत का मानौं ऊगी सूरज सेणि।
पति सँगि जागी सुंदरी, कौतिक दीठा तेणि।।

अथवा OR

बिरह बान तस लाग न डोली। रक्त पसीज, भीजि गइ चोली।
सूखा हिया, हार मा भारी। हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ।।

Q.3 जायसी के रहस्यवाद की दो विशेषताएँ लिखिए।

अथवा OR

ज्ञानमार्गी काव्य–धारा की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

Q.4 वीरगाथा काल की प्रमुख दो प्रवृत्तियाँ लिखिए।

अथवा OR

संत–काव्य की प्रमुख दो विशेषताएँ लिखिए।

Q.5 अमीर खुसरों के साहित्य की दो प्रमुख प्रवृत्तियों को लिखिए।

अथवा OR

'पद्मावत' महाकाव्य की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

Q.6 संत नामदेव की भक्ति भावना की दो विशेषताएँ लिखिए।

अथवा OR

रैदास के काव्य के भाव पक्ष पर टिप्पणी लिखिए।

खण्ड 'स'

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

5x5 = 25

Q.7 निम्न पद्यांश में से किसी एक की सप्रसंग–व्याख्या कीजिए।

माधव ! बहुत मिनति करु तोइ ।
दए तुलसी–तिल देह समरपल
दया जनि छाड़ब मोहि।।
गनइत दोष गुन लेस न पाओब
जब तेहिं करब विचार।
तोहे जगत जगनाथ कहा ओसि
जग बाहिर न इ मोहि छाड़।।

अथवा OR

मिलहिं रहसि सब चढ़हिं हिंडोरी।
झूलि लेहिं सुख बारी भोरी।।
झूलि लेहु नैहर जब ताई।
फिरि नहिं झूलन देइहिं साई।।
पुनि सासुर लेइ रखिहि तहाँ ।
नैहर चाह न पाउब जहाँ ।।

Q.8 निम्न पद्यांश में से किसी एक की संदर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

सावन बरस मेह अति पानी। भरनि परी, है। बिरह झुरानी।।
लाग पुनरबसु पीउ न देखा। भई बाउरि, कहँ कंत सरेखा।।
रकत कैं आँसू परहिं भुइँ टूटी। रेंगि चली जस बीरबहूटी।।
सखिन्ह रचा पिउ संग हिंडोला। हरियरि भूमि कुसुंभी चोला।।
हिय हिंडोल अस डोलै मोरा। बिरह झुलाइ देइ झकझोरा।।

अथवा OR

हिरदा भीतरि दौं बलै, धूँवाँ प्रगट न होइ ।
जाकै लागी सो लखै, कै जिहि लाई सोइ।।
झल–ऊठी झोली जली, खपरा फूटिम फूटि।
जोगी था सो रमि गया, आसणि रही बिभूति।।

Q.9 ''कबीर हिन्दी के सर्वश्रेष्ठ रहस्यवादी कवि है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा OR

विद्यापति की शृंगार–योजना की व्याख्या कीजिए।

Q.10 निर्गुण–काव्य के अंतर्गत सूफी काव्य–धारा को स्पष्ट कीजिए।

अथवा OR

जायसी के विरह–वर्णन की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

Q.11 चंदबरदाई कृत 'पृथ्वीराज रासों' की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा OR

अमीर खुसरों की काव्य भाषा पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

●●●